

4. Double Seam: - यदि Single Seam जोड़ को सीधा खड़ा किया जाए तो यह जोड़ Double Seam जोड़ कहलाता है।

5. Double Grooved Seam: - यह सीम बनाने के लिए चादरों के किनारों को मोड़कर उन्हें एक अलग-चादर के टुकड़े से एक दूसरे में फँसाया जाता है।

Groover (ग्रूवर): - जब चादर में जोड़ लगाया जाता है, तो जोड़ ढीला होता है। ढीला जोड़ खुल जाता है, उसे लॉक करने के लिए बधा जोड़ को धीक पूँक करने के लिए ग्रूवर का प्रयोग किया जाता है।

Notch (नोच): - जब चादरों से सन्दूक या टंकी बनाई जाती है तो चादरों के किनारों से मोड़ने पर चादरें ओवर लैप करती हैं। इस लिए किनारों से चादर का कुछ हिस्सा काटकर निकाल दिया जाता है। नोच कहलाता है।

प्रकार: -

1. सीधी नोच (Straight Notch)

2. बर्गकार नोच (Square Notch)

3. तिरछी नोच (Slant Notch)

4. वी नोच (V Notch)

5. वायर नोच (Wire Notch)

* चित्र के लिए अपनी पुस्तक तथा नेट से सहयोग लें *

5. **Caulking Tool** :- प्लेटों के किनारे तथा रिबों के हेड के किनारों की प्लेट की सतह से मिलाने के लिए कौलिंग औजार का प्रयोग किया जाता है।

6. **Fulling Tool** :- दो प्लेटों के किनारों को आपस में मिलाकर लीनर पूफ जोड़ बनाने के लिए फुल्लिंग औजार का प्रयोग किया जाता है।

Hem (हेम) :- पतली चादर से बने जाँब के किनारों पर तेज धार बन जाती है तथा उसकी सामर्थ्य भी घट जाती है।

ऐसे जाँबों की सामर्थ्यता बढ़ाने के लिए तथा उनके किनारों की सुरक्षित बनाने के लिए उन्हें मोड़ दिया जाता है, इस मुड़े हुए किनारे को हेम कहते हैं। हेम बनाने से जाँब की सुन्दरता बढ़ जाती है।

प्रकार: 1. **Single Hem** :- चादर के किनारे को एक बार मोड़कर बनाने को सिंगल हेम कहते हैं, मोटी चादरों को एक बार ही मोड़ा जाता है।

2. **Double Hem** :- पतली चादरों द्वारा बनाए गए बड़े-बड़े जाँबों के किनारों को दोबारा मोड़ दी जाती है जिन्हें Double Hem कहते हैं। इससे हेम अधिक मोटी और सुरक्षित होती है। यह हेम अधिक सामर्थ्यवान होता है।

3. **Wired Edge** :- जाँब को अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए चादर के किनारे पर एक माइल्ड स्टील का तार लगा दिया जाता है। इससे किनारों की सुन्दरता तथा मजबूती दोनों ही बढ़ जाती हैं।

Seam (सीम) :- चादरों के किनारों को जोड़ने के लिए

सीम बनायी जाती है। चादरों के किनारों को एक विशेष प्रकार से मोड़कर आपस में फँसा दिया जाता है।

प्रकार :-

1. **Lap Seam** :- सबसे सरल जोड़ लैप सीम द्वारा बनाया जाता है। इसमें जोड़े जाने वाले किनारों को एक दूसरे के ऊपर चढ़ाकर अथवा फँसाकर मोल्डिंग या ब्रेजिंग द्वारा जोड़ दिए जाते हैं।

2. **Grooved Seam** :- चादर के दोनों किनारों को मोड़कर दोनों को एक दूसरे में फँसाकर ग्लुवर के द्वारा उस जोड़ को पक्का कर दिया जाता है।

3. **Single Seam** :- खाल्टी या डिब्बों आदि की तली जोड़ी जाती है।

Riveting Joints (रिवेटिंग जोड़) रिवेट के द्वारा धातु की चादरों (Sheets) को जोड़ने को रिवेटिंग जोड़ कहते हैं।

प्रकार: 1. Lap Joint. 2. Butt Joint

1. Lap Joint :- जिन जोड़ों में दो जोड़े जाने वाली प्लेटों के एक दूसरे के ऊपर रखकर रिवेटिंग की जाए उन जोड़ों को लैप जोड़ कहते हैं।

(a) Single Riveted Lap Joint

(b) Double Riveted Lap Joint

2. Butt Joint :- जिन जोड़ों में दो जोड़े जाने वाली प्लेटों के सिरो को मिलाकर ऊपर या ऊपर-नीचे प्लेट को लगाकर रिवेटिंग की जाती है, वट जोड़ कहलाता है। चिन को नेट एवं कितार का सहयोग लें

(a) Single Riveted Single cover Butt Joint

(b) Single Riveted Double cover Butt Joint

(c) Double Riveted Double cover Chain Type Butt Joint

(d) Double Riveted Double cover Zig Zag Type Butt Joint

रिवेटिंग औजार (Riveting Tools) :- चादरों तथा प्लेटों को

रिवेट से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के औजारों का प्रयोग किया जाता है, जिन्हे रिवेटिंग औजार कहते हैं।

1. Rivet Set (Rivet set) :- रिवेट सेट एक प्रकार का खोखला पंच होता है। इसके होल में रिवेट का स्टेम चला जाता है। इसका उपयोग दो चादरों में निकटता लाने के लिए किया जाता है।

2. Dolly (Dolly) :- इसका उपयोग रिवेट के हेड को सहारा देने तथा रिवेट के हेड को क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिए किया जाता है।

3. Rivet Snap :- रिवेट स्नेप का उपयोग रिवेटिंग के बाद उसको सही आकार देने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग रिवेट के दोनों ओर समान आकार व आकृति प्रदान करने के लिए किया जाता है।

4. Drift :- ड्रिफ्ट एक बेलनाकार पंच है जो विभिन्न व्यासों में उपलब्ध होता है, इसका प्रयोग रिवेट किए गए होल को एक सीध में लाने के काम आता है।

(vi) Planching Stake ^{Annul} :- इसका प्रयोग पाँच के फ्लैन्ज वाले भाग को द्रैस करने या सुराख करने के लिए किया जाता है।

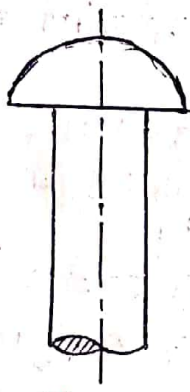
(vii) Creasing Iron Stake :- इस स्टेक के Head पर खाँची (Grooves) बने होते हैं, ये खाँची अलग-अलग साइज के होते हैं। इन खाँचों का उपयोग चादरों की पाइपों की तरह गोल मॉडने के लिए किया जाता है।

(viii) Horse Stake :- इसके दोनों सिरों पर वर्गाकार साइज के सुराख बने होते हैं।

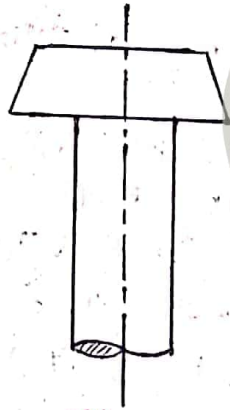
Rivets and Riveting Joints

रिवेट (Rivet) :- चादरों व प्लेटों को परस्पर जोड़ने के लिए किसी धातु की गोल बड़ का प्रयोग करते हैं जिसके एक सिर पर Head एवं दूसरे सिर पर Tail बना होता है। कार्यों के अनुसार रिवेट विभिन्न प्रकार के तथा विभिन्न धातुओं के बनाए जाते हैं।

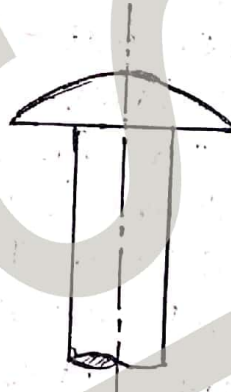
- प्रकार :-
1. Snap head Rivet
 2. Pan Head Rivet
 3. Mushroom Head Rivet
 4. Counter Head 120° Rivet
 5. Flat Head Rivet
 6. Flat counter Sunk 90° Rivet
 7. Flat counter Head 60° Rivet



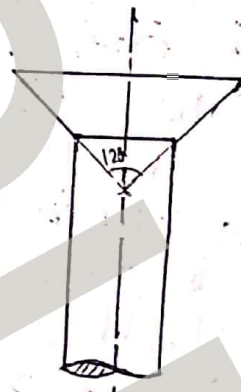
(1)



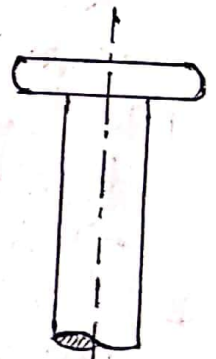
(2)



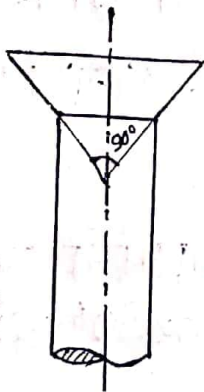
(3)



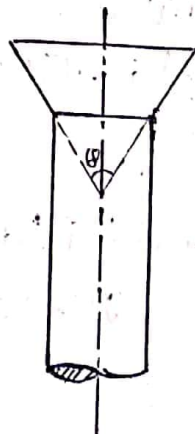
(4)



(5)



(6)



(7)